

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 जून, 2023

हाल ही में प्रिया ए.एस. को उनके उपन्यास पेनुमाझायथे कुंजथिलुकल हेतु मलयालम भाषा में प्रतष्ठितकेंद्र साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। उपन्यास पेनुमाझायथे कुंजथिलुकल वर्ष 2018 में केरल में आई बाढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित है जो आपदा के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमि के बच्चों द्वारा प्रदर्शित साहस और सहयोग को दर्शाता है। केंद्र साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार भारत में बच्चों के साहित्य हेतु एक प्रतष्ठित साहित्यिक पुरस्कार है। यह साहित्य अकादमी द्वारा दिया जाता है एवं इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करता है। इस पुरस्कार में नकद पुरस्कार और पट्टिका दी जाती है, जो लेखकों को प्रोत्साहित करती है तथा बच्चों के साहित्य के विकास को बढ़ावा देती है।



साहित्य अकादमी पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार के बाद भारत सरकार द्वारा दूसरा सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान-वर्ष 1954 में स्थापित

प्रदान किया जाता है:

- साहित्य अकादमी - नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स द्वारा

पुरस्कार

- मान्यता प्राप्त भाषाओं में साहित्यिक कार्यों के लिये 24 पुरस्कार (8वीं अनुसूची से 22 + अंग्रेजी और राजस्थानी)
- इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिये 24 पुरस्कार

पुरस्कार के लिये मानदंड:

- लेखक के पास अनिवार्य रूप से भारतीय राष्ट्रियता होनी चाहिये।
- पुरस्कार के लिये पात्र पुस्तक/रचना का संबंधित भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान होना चाहिये।

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2022

- भाषा सम्मान: संबंधित भाषाओं के प्रचार, आधुनिकीकरण या संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिये दिया जाता है
 - ❖ उदय नाथ झा को सम्मानित (पूर्वी क्षेत्र में शास्त्रीय और मध्यकालीन साहित्य में बहुमूल्य योगदान) किया गया है
- अनुवाद के लिये चुनी गई पुस्तकें: याद वाशेम (एन. नल्लथम्बी), अकूपचा कविथलु (बरला आनंद) - 15 और



महत्वपूर्ण विजेता

- अनुराधा राय
- बट्टी नारायण
- श्री राजेंद्रन
- प्रवीण बांदेकर
- अनीस अशफाक
- मनोज कुमार गोस्वामी

कार्य

- ऑल व लाइव्स वी नेवर लिब्ड (अंग्रेजी उपन्यास)
- तुमड़ी के शब्द (हिंदी काव्य पुस्तक)
- काला पानी (तमिल उपन्यास)
- उजव्या सोडेच्या बाहुल्या (मराठी उपन्यास)
- ख्वाब सरब (उर्दू उपन्यास)
- भूल सत्य (असमिया)



अन्य साहित्य अकादमी पुरस्कार

- साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार: बाल साहित्य में लेखक के कुल योगदान के आधार पर।
 - ❖ 2022 के विजेता - हपन माई के लिये गणेश मरांडी (संथाली में पुस्तक)
- साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार: यह 35 वर्ष और उससे कम आयु के लेखक द्वारा प्रकाशित पुस्तकों से संबंधित है।
 - ❖ 2022 के विजेता - मी संवर्भ पोखरतोय (मराठी कविता) के लिये पवन नलत

चोरी हुई चोल-युग की मूर्तियों की बरामदगी

तमलिनाडु पुलिस की आइडल वगि CID ने चोल-युग के मंदिरों से चोरी या गायब 16 प्राचीन मूर्तियों को बरामद करने में महत्त्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अमेरिकी अधिकारियों की सहायता से मूर्तियों को संयुक्त राज्य अमेरिका के संग्रहालयों और कला दीर्घाओं में खोजा गया। उत्तम चोल-युग की कांस्य मूर्तियों की पहचान की गई है तथा उन्हें तमलिनाडु में उनके संबंधित मंदिरों में वापस करने की तैयारी है। चोल, एक शक्तिशाली राजवंश जसिने 9वीं से 13वीं शताब्दी तक भारत के दक्षिणी क्षेत्रों पर शासन किया, ने इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। विजयालय (Vijayalaya), आदित्य प्रथम तथा राजेंद्र चोल जैसे राजाओं के तहत साम्राज्य ने अपने प्रभाव का विस्तार किया एवं पल्लव व पांड्य राजाओं सहित पड़ोसी राज्यों पर नियंत्रण स्थापित किया। चोलों ने अपने विशाल साम्राज्य को मंडलम और नाडु में विभाजित करके एक सुव्यवस्थित प्रशासन लागू किया, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र की देख-रेख के लिये अलग-अलग शासक थे। वे कला और वास्तुकला के संरक्षक थे, बृहदेश्वर तथा राजराजेश्वर जैसे चोल मंदिर दरवाड़ि मंदिर वास्तुकला की भव्यता का उदाहरण हैं। चोलों की कलात्मक विरासत में प्रतीति मूर्तियाँ भी शामिल हैं, जैसे- नटराज की मूर्ति जसिमें भगवान शिव को उनके ब्रह्मांडीय नृत्य रूप में दर्शाया गया है और कांस्य मूर्तियाँ अपनी उत्कृष्ट शिल्प कौशल के लिये प्रसिद्ध हैं। चोल राजवंश के शासनकाल को दक्षिणी भारत में समृद्धि, कला और सांस्कृतिक उन्नति के स्वर्ण युग के रूप में चिह्नित किया गया है।

और पढ़ें... [चोल राजवंश](#)

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दविस

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दविस अथवा विश्व ड्रग दविस प्रतीवर्ष 26 जून को मनाया जाता है, इसकी स्थापना वर्ष 1987 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा विश्व को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त करने हेतु कार्रवाई और सहयोग को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। इस वर्ष 2023 की थीम है: पीपुल फर्स्ट: स्टॉप सटगिमा एंड डिसिंकरमिनिशन, स्ट्रेंथेन प्रविशन। अर्थात् पहले लोग: भेदभाव और पूरवाग्रहों पर अंकुश लगाएँ, सुरक्षा उपायों को मजबूत करें। इस वर्ष के अभियान का उद्देश्य नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों के साथ सम्मान और सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करने के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना; सभी के लिये साक्ष्य-आधारित, स्वैच्छिक सेवाएँ प्रदान करना; सजा के विकल्प की पेशकश; रोकथाम को प्राथमिकता देना और करुणा के साथ नेतृत्व करना है। इस अभियान का उद्देश्य सम्मानजनक और गैर-नरिणयात्मक भाषा एवं दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों के प्रति पूरवाग्रहों तथा उनके साथ होने वाले भेदभाव का मुकाबला करना भी है। प्रतीवर्ष 26 जून को संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (United Nations Office on Drugs and Crime- UNODC) द्वारा विश्व ड्रग रिपोर्ट जारी की जाती है।

GEMCOVAC-OM: ओमीक्रॉन वेरिएंट के लिये भारत की स्वदेशी mRNA वैक्सीन

जेनोवा द्वारा विकसित GEMCOVAC-OM, भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित एवं एकमात्र सवीकृत mRNA वैक्सीन है जो कोविड-19 के ओमीक्रॉन वेरिएंट को लक्षित करती है जसिकी कीमत 2,292 रुपए प्रति खुराक होगी। यह वैक्सीन शुरु में केवल बूस्टर या एहतियाती खुराक के रूप में उपलब्ध होगी तथा जनि व्यक्तियों को पहले ही तीन खुराक दी जा चुकी हैं वे इसके लिये अयोग्य होंगे। GEMCOVAC-OM का मुख्य लाभ 2-8 डगिरी सेल्सयिस तापमान के अंदर इसकी स्थिरता में नहिति है जो इसे एकसामान्य रेफ्रिजरेटर में भंडारण के लिये उपयुक्त बनाता है। इस वैक्सीन को सुई-मुक्त फार्माजेट प्रणाली (needle-free PharmaJet system) के माध्यम से लगाया जा सकता है जसिसे वैक्सीन को सीधे त्वचा में पहुँचाया जा सकता है। mRNA वैक्सीन एंटीबॉडी का उत्पादन करने के लिये प्रतीरिक्षा प्रणाली को सक्रिय करती है जो संक्रमण का मुकाबला करने में सहायता करती है। यह वैक्सीन प्रतीरिक्षा प्रतीरिक्षा को प्रेरित करने के लिये स्पाइक प्रोटीन के एक हिसिसे को सक्रिय करती है जो कोरोना वायरस का प्रमुख हिसिसा है mRNA वैक्सीन बहुत नाजुक होती है तथा इन्हें तैलीय लपिडि की एक परत में लपेटा जाना चाहिये। वैक्सीन में DNA अधिक स्थिर एवं लचीला होता है। mRNA और DNA दोनों वैक्सीनों के प्रभावी होने की उम्मीद है लेकनि mRNA वैक्सीन के लिये सख्त फ्रीजर स्थितियों की आवश्यकता होती है जो इन्हें महंगा बनाती है। mRNA और DNA वैक्सीन को भावी वेरिएंट में शीघ्र ही अद्यतन किया जा सकता है तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियों के लिये उपयोग किया जा सकता है।

और पढ़ें... [mRNA वैक्सीन, ओमीक्रॉन](#)